Lodhi
1451-1526 CE
Lo

Lodhi Dynasty
Indus
Chenab
Ravi
Beas
Sutlej
Yarlung (Brahmaputra)
Multan
Panipat
Delhi
Yamuna
Ganges
Jodhpur
RAJPUT
Chambal
Gwalior
Hajipur
Brahmaputra
Banas
Gaur
Son
Rchtasagam
Saranpur
Ujjain
GUJARAT
GONDWANA
Ganges
Narmada
Tapi
Mahanadi
BENGAL
BARAR
ORISSA
Godavari
Arabian
Bay

बहलोल खान लोधी

1451-89

सरहिन्द का गवर्नर

सैयद शासक अलाऊद्दीन द्वारा पद त्याग

19 अप्रैल,1451 सुल्तान

जौनपुर-शरकी सुल्तानों पर विजय

सिकंदर लोधी 1489-1517

मुस्लिम पिता-राजपूत माता

धर्मान्ध

स्त्रियों, दासों, ब्राह्मणों, पर

जजीया लगाना

विंयाना, बिहार, तिरहुत, धोलपुर, मंदरैल, अर्वतगढ़, शिवपुर, नारवार, चंदेरी और नागर के क्षेत्र जीते

आगरा की स्थपना: 1510 ई 1517: मृत्य

इब्राहीम लोधी

1517-26 ई

ग्वालियर की विजय

पानीपत का प्रथम युद्ध: 1526 ई

मुग़ल

THE MUGHALS

Conquerors of India

Mughal Empire Family Tree

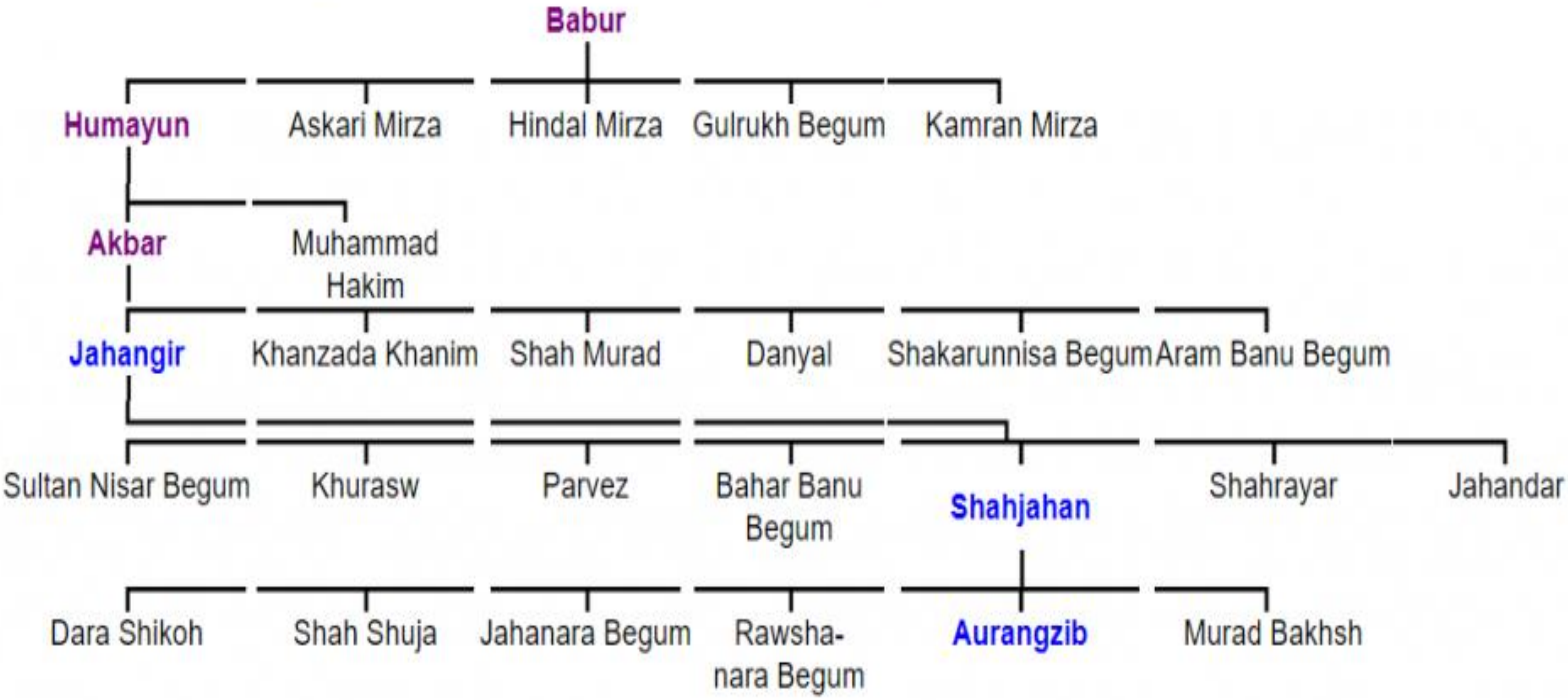

बाबर
1526-30

जहांगीर
1605-27

हुमायूं
1530-56

शाहजहां
1628-1658

अकबर
1556-1605

औरंगजेब
1659-1707

जहीरुद्दीन
मुहम्मद
बाबर

Babur, the conqueror from Central Asia, was born on Feb 14, 1483

INDIA'S FIRST MUGHAL EMPEROR

Wrote his memoirs called the **Baburnama**

At 12 he became the ruler of Farghana, present day Uzbekistan

After losing Samarkand, he launched his conquest of India, reaching Chenab in 1519

Battles fought by him:

Battle of **Panipat** (1526)

Battle of **Khanwa** (1527)

Battle of **Chanderi** (1528)

Battle of **Ghaghra** (1529)

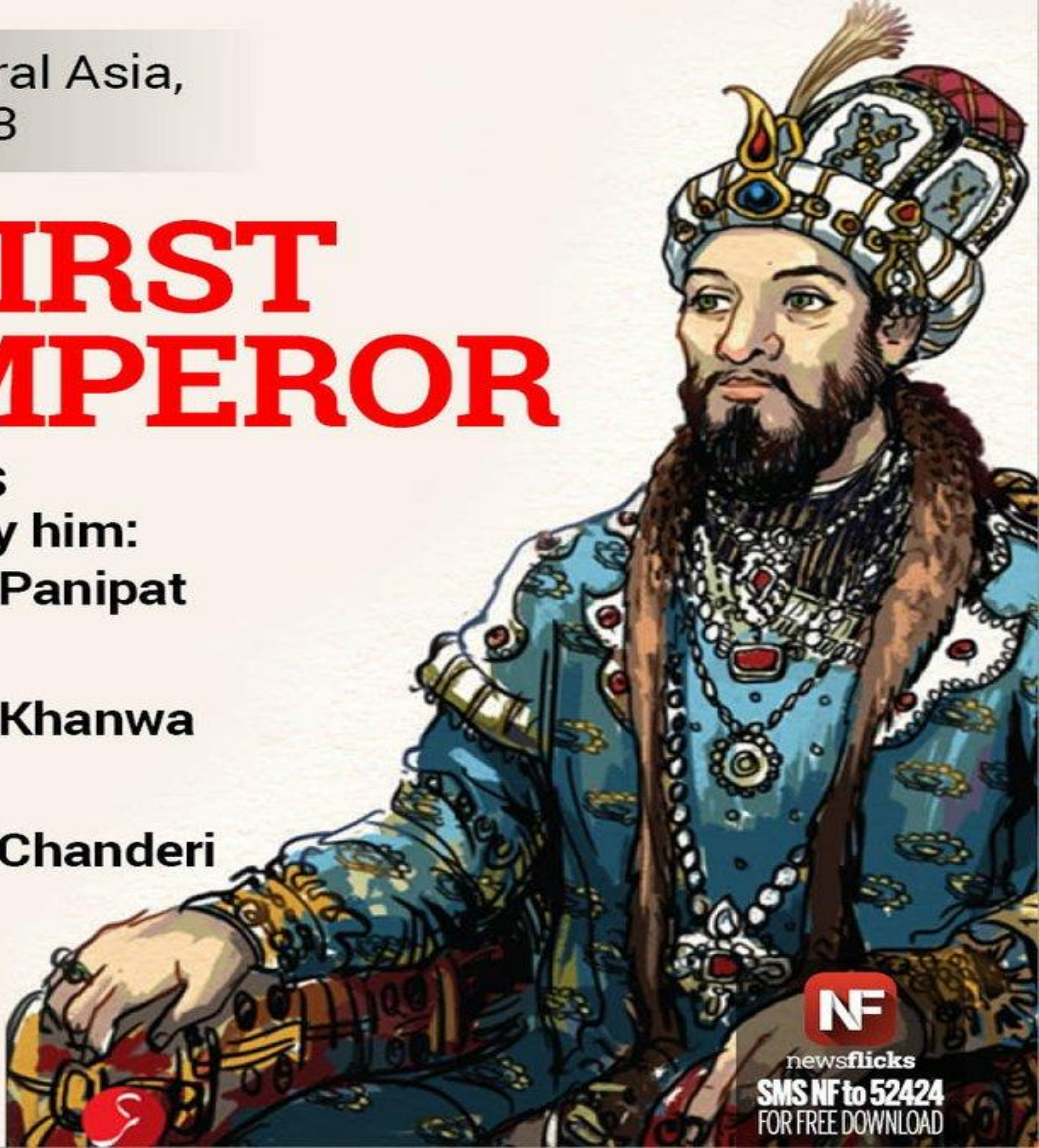

newsflicks
SMS NF to 52424
FOR FREE DOWNLOAD

UZBEKISTAN
TURKMENISTAN
TURKEY
Caspian Sea
MONGOLIA
CHINA
IRAQ
Mediterranean Sea
AFGHANISTAN
PAKISTAN
EGYPT
INDIA
MYANMAR
THAILAND
Red Sea
Bay Of Bengal
Babur

कारण

भारत की धन संपदा

राज्य की स्थापना

दौलत खान् लोधी का आमंत्रण

पानीपत का युद्ध

21 अप्रैल, 1526

बाबर की सेना: 8000

इब्राहीम लोधी: 40,000

एक सप्ताह तक युद्ध नहीं

11:00 am
War Started

तुलुगामा नीति

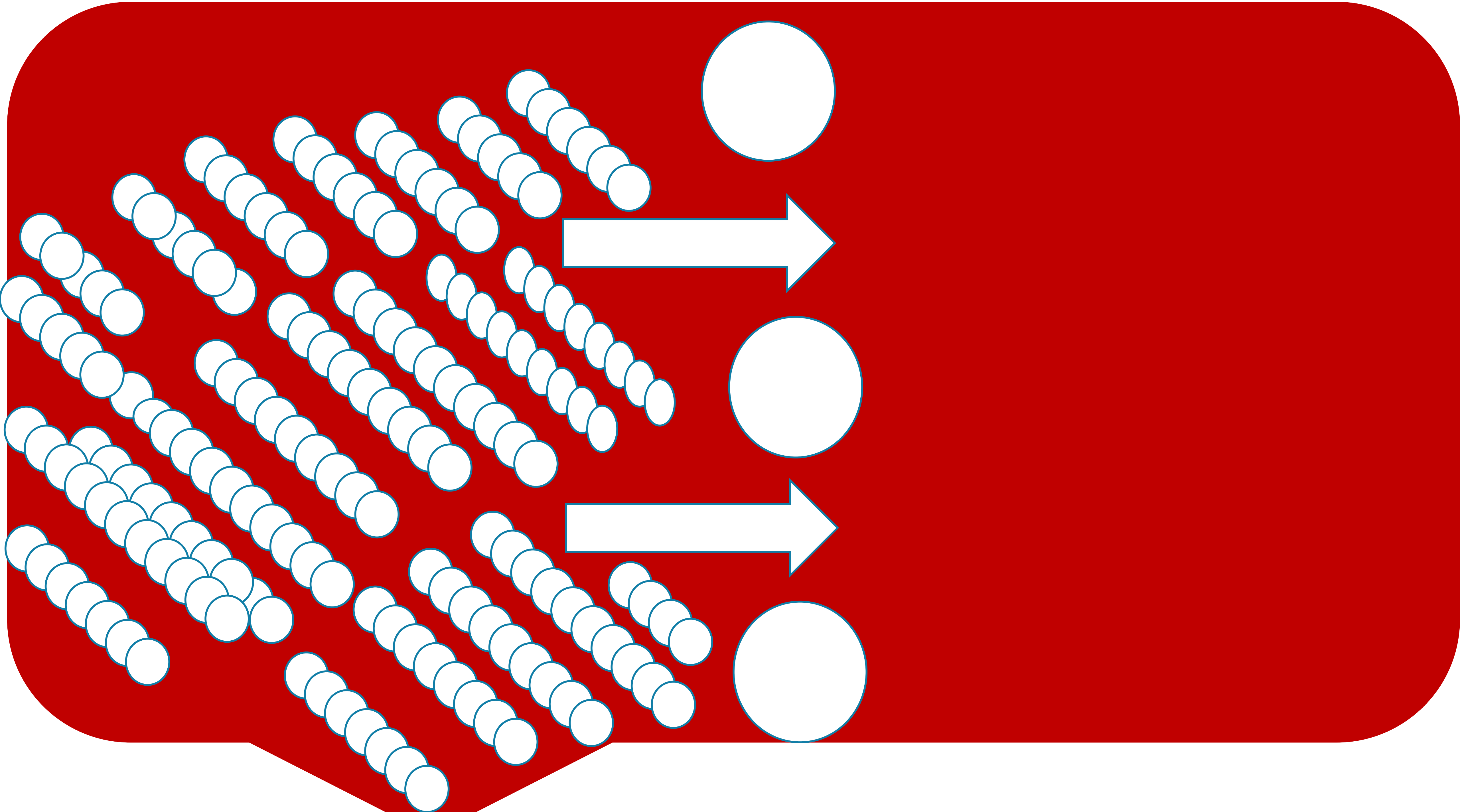

तोपखाने का प्रयोग

इब्राहीम की सेना के हाथियों द्वारा अपने ही सैनिक कुचलने आरंभ कर दिए

विजय के 3 दिन बाद बाबर का दिल्ली प्रवेश

Reasons behind Babur's Conquests

Leadership Qualities

OF BABUR

Ibrahim Lodhi

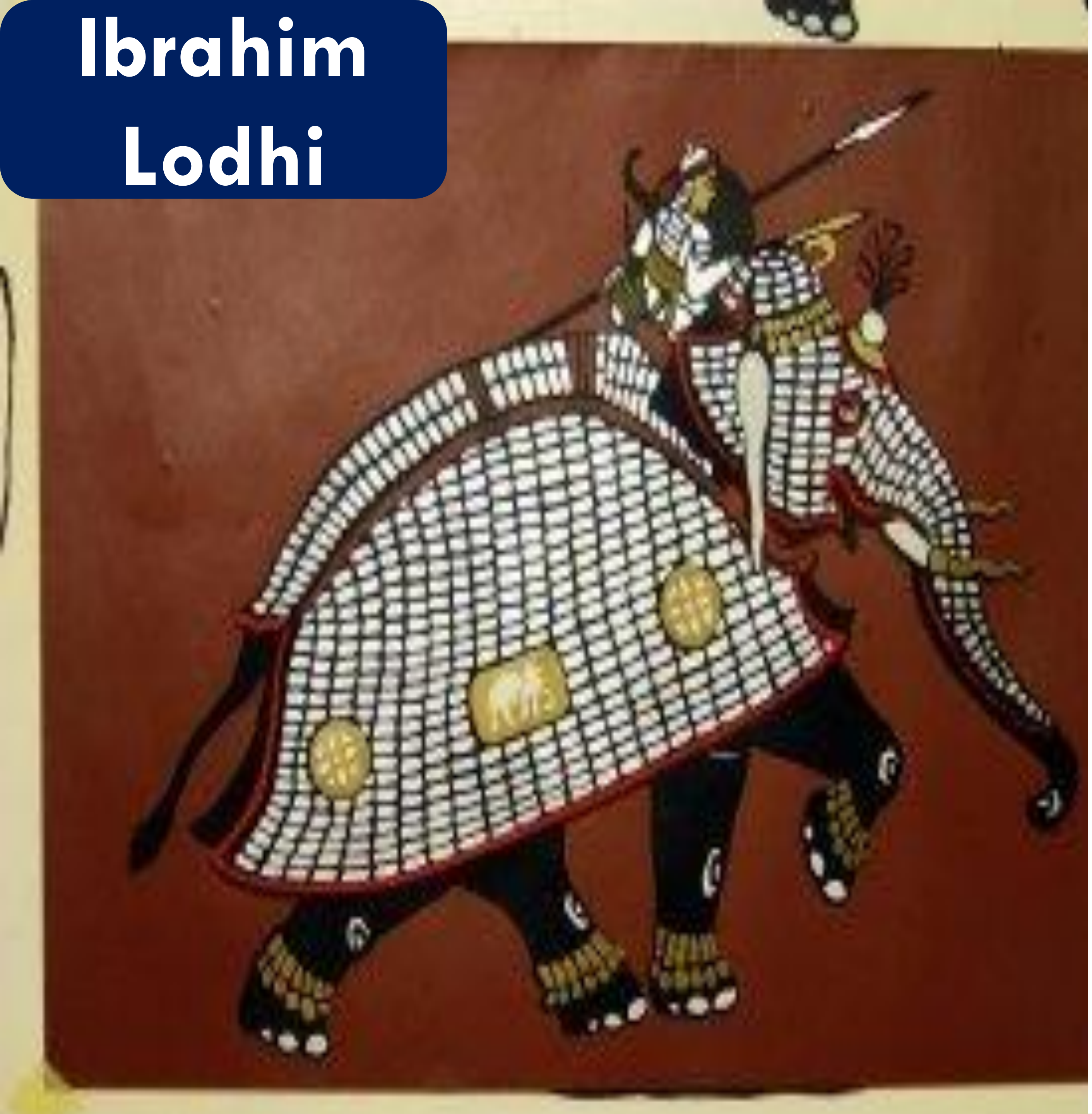

Babur

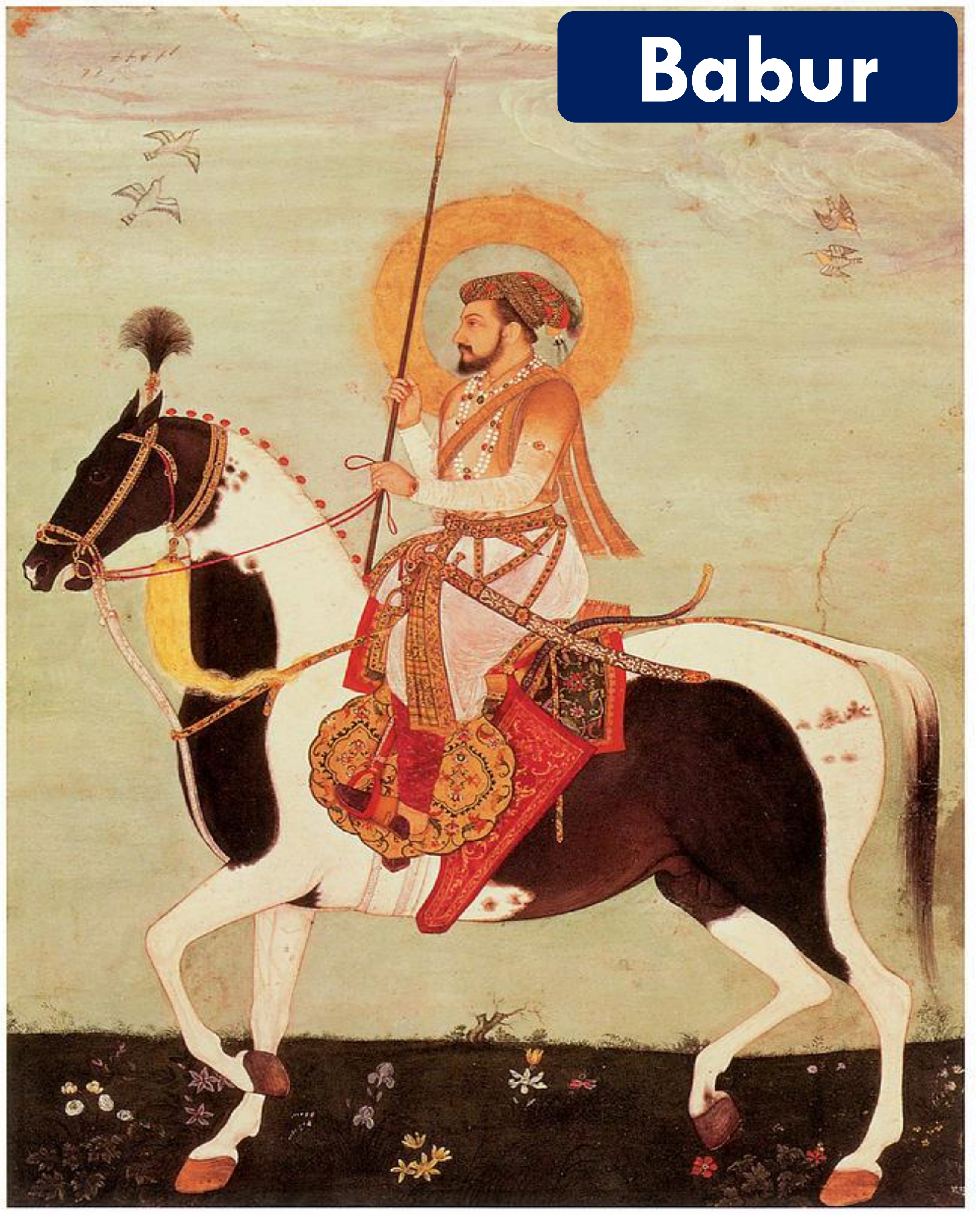

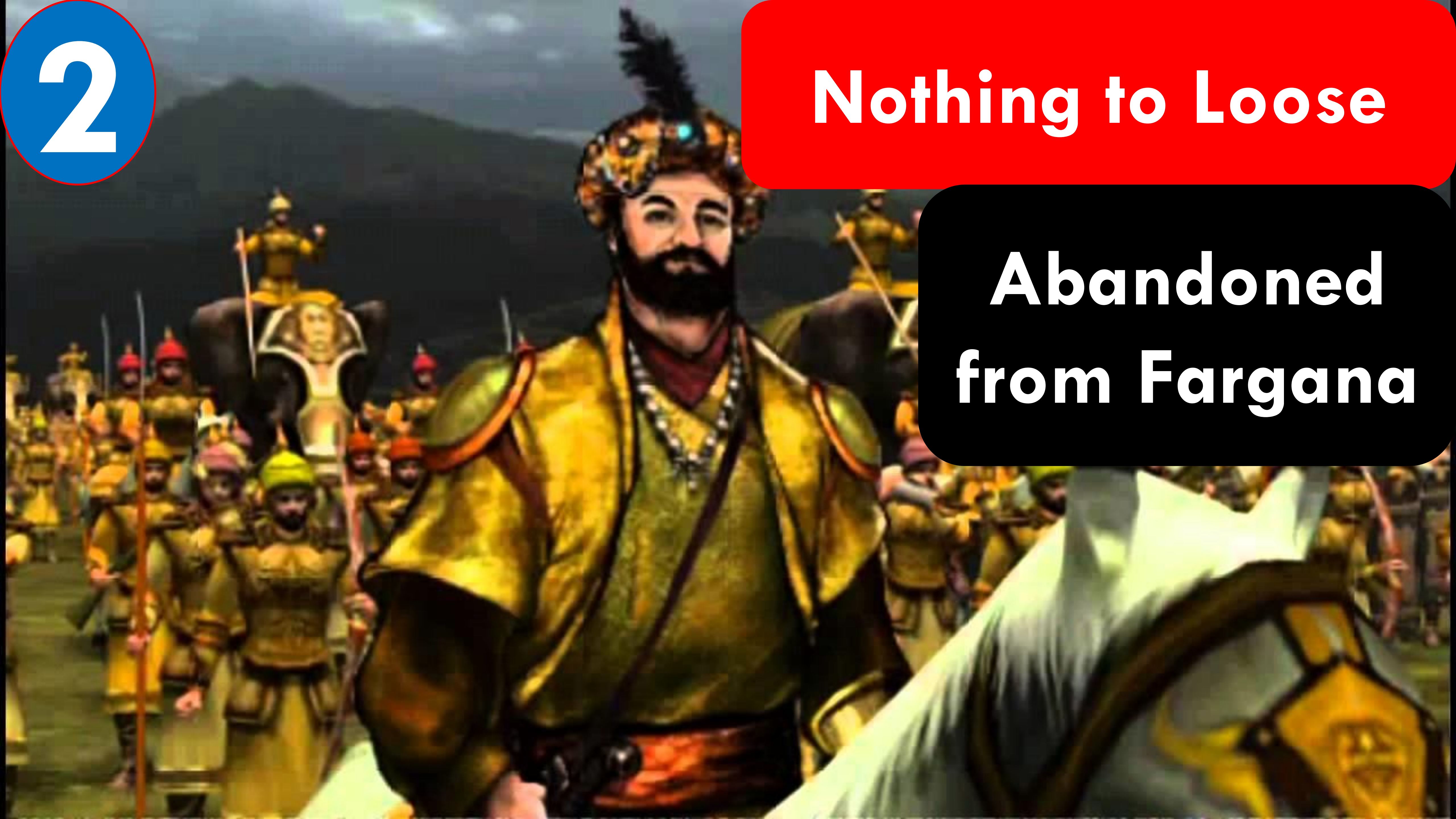
2
Nothing to Loose
Abandoned
from Fargana

2

Guns & Gunpowder

[redacted]

Trained Army

Artillery

Calvary

4

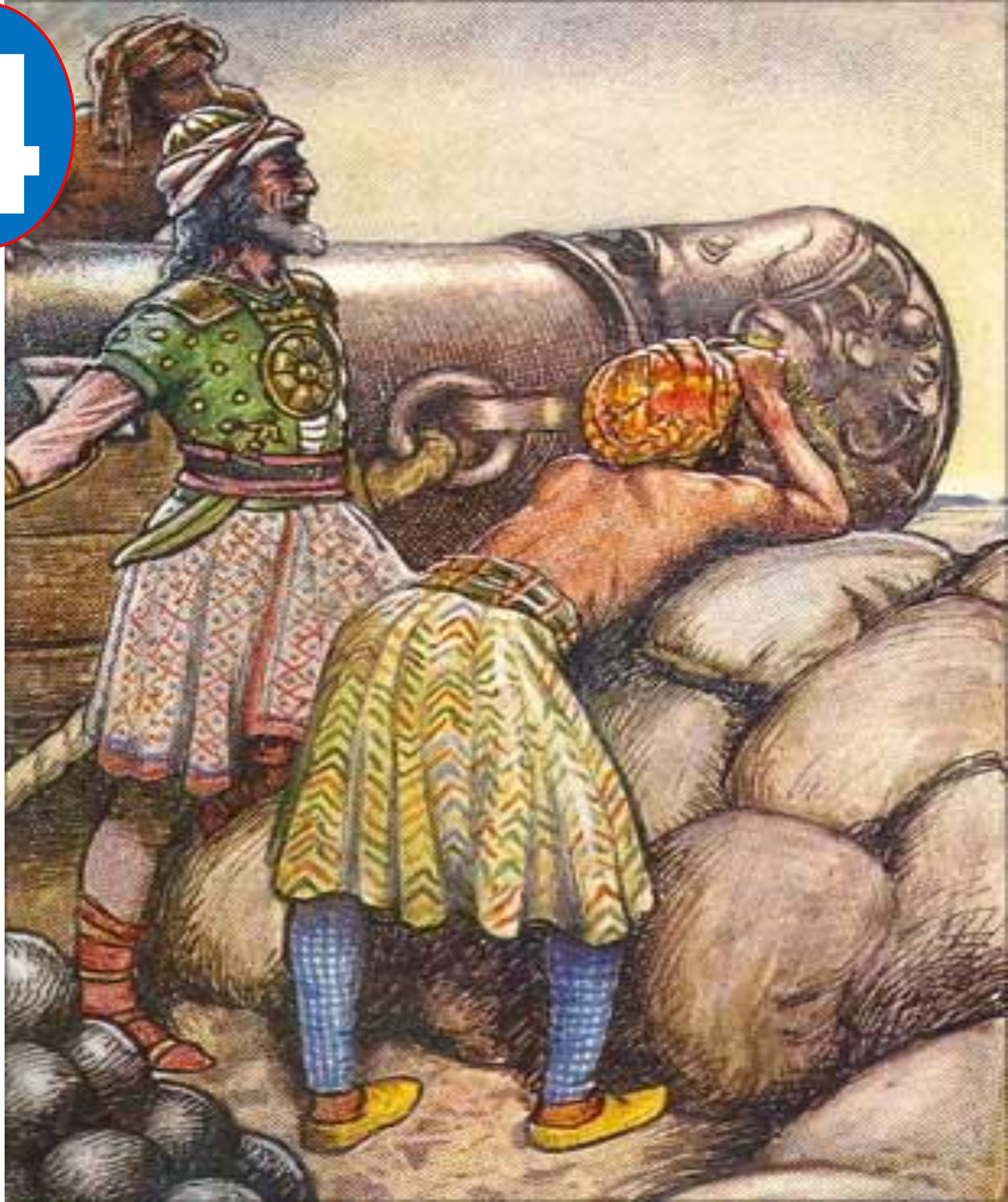

खनवाह का युद्ध

Rana
Sanga

1527 ई

17 मार्च युद्ध आरंभ

बाबर विजयी

जिहाद

"Everyone regrets drinking and
swears an oath [of abstinence],
I swore the oath and regret that."
— Babür Şah, 1527

चँदेरी का युद्ध

मालवा राजा: मेदनी राव

1528: जौहर प्रथा

घाघरा का युद्ध:1529

बिहार शासक: महमूद लोधी बाबर विजयी

बाबर का पुत्र नासिरुद्दीन की बीमारी 1530: बाबर की मृत्यु

नासिरुद्दीन मुहम्मद नया सुल्तान:1530

Humayun

नासिरुद्दीन मुहम्मद हुमायूँ

जन्म

6 मार्च,1508, काबुल

तीन भाई:कामरान मिर्जा, हिंदाल मिर्जा, अस्करी मिर्जा

कामरान : काबुल,कंधार

अस्करी : संभल

हिंदाल :मेवाड़-अलवर

प्रमुख खतरे

बहादुरशाह गुजरात

कामरान मिर्जा

शेरशाह

बहादुरशाह की गुजरात विजय:1535 चित्तौड़ अभियान

रानी कर्णवती

हुमायूँ से मदद

शेरशाह

बंगाल का शासक

हुमायूँ की बंगाल विजय 1538

चुनार की विजय

हिंदाल का विश्वासघात

कामरान: पंजाब,सिंध मे प्रवेश

चौसा का युद्ध

जून 1539

शम्सअलदीन

कन्नौज का युद्ध

17 मई 1540

हुमायूँ की हार लाहौर प्रस्थान

दिल्ली पर सूर वंश की स्थापना

Humayun- ***"I have left you whole of Hindustan. Leave Lahaur alone and let Sirhind be a boundary between you and me"***

Shershag Suri – ***"I have left you Kabul. You should go there"***

भाइयों द्वारा विश्वासघात

लाहौर:कामरान से सहायता:असफल

सिंध शासक से सहायता: असफल

मीर अकबर अली की बेटी हमीदा बानो से विवाह

29 Aug', 1541

उमरकोट राजा राणा प्रसाद के पास शरण

अकबर का जन्म

15 oct. 1542

काबुल-कंधार अँभियान

अस्करी-हुमायूँ समझौता

पर्शिया के शाह से मदद

शाह ताहमास्प-हुमायूँ समझौता

अस्करी द्वारा विश्वासघात हिंदाल द्वारा मदद: कंधार अभियान

हिंदाल की मृत्यु

अस्करी: हज यात्रा पर भेजा

काबुल युद्ध

कामरान की हार: कारावास की सजा

सरहिन्द का युद्ध: 22 जून, 1555

बैरम खां
मुग़ल सेनापति

सिकंदर शाह सूरी अफ़गान: दिल्ली का सुल्तान

दिल्ली-आगरा पर कब्जा

23 July 1555: पुनः सुल्तान

मृत्यु: दीनपनाह 27 जनवरी, 1556

“हुमायूँ जीवन भर लड़खड़ाता रहा और लड़खड़ाते हुए ही उसकी मृत्यु हुई”

शेरशाह सूरी

1486-1545

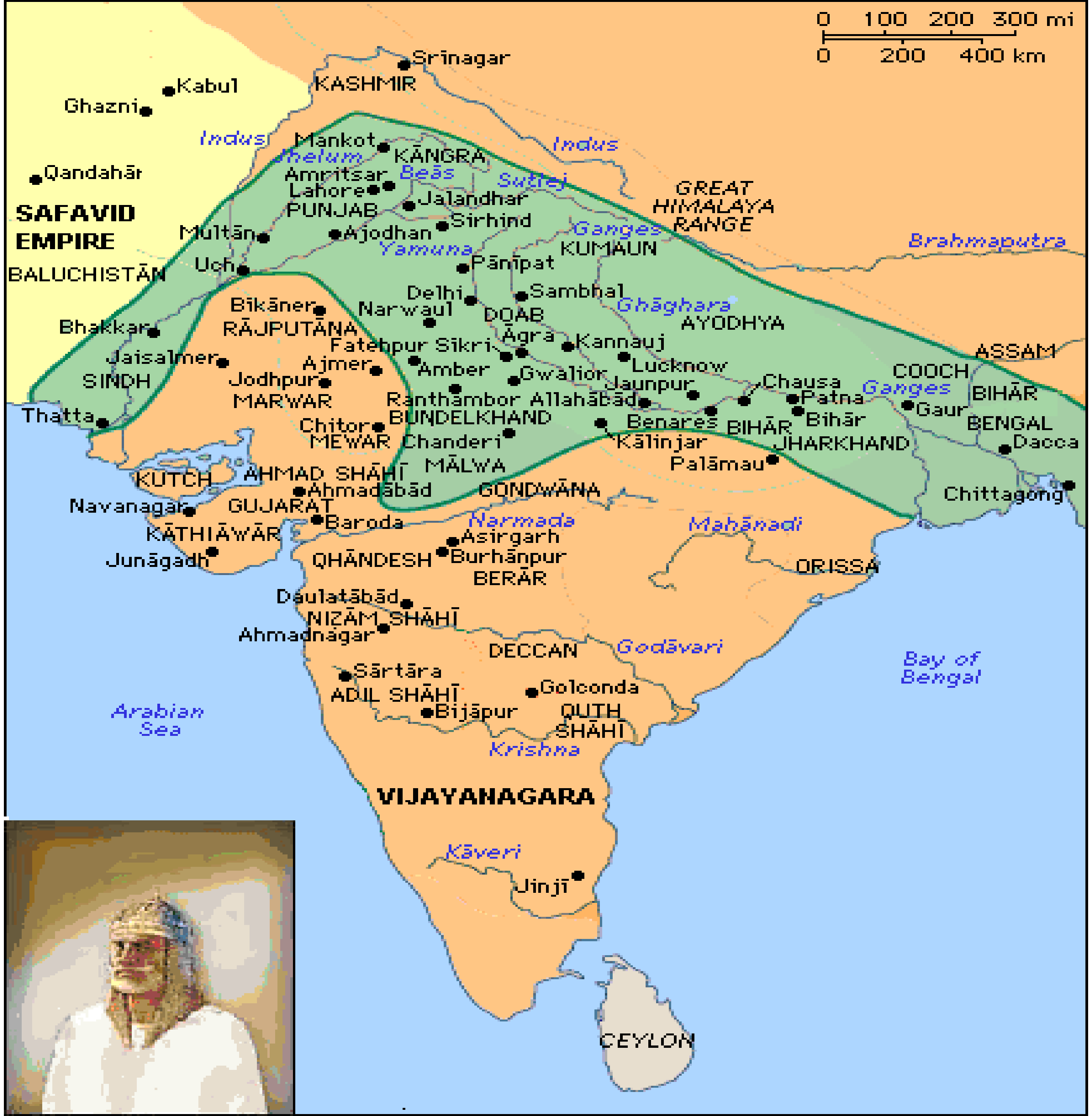
0 100 200 300 mi
0 200 400 km
Srīnagar
KASHMIR
Kabul
Ghazni
Qandahār
SAFAVID EMPIRE
BALUCHISTĀN
Indus
Jhelum
Mankot
KĀNGRA
Amritsar
Lahore
Beās
Sutlej
Indus
PUNJAB
Jalandhar
Sirhind
GREAT HIMALAYA RANGE
Multān
Ajodhan
Ganges
Yamuna
KUMAUN
Brahmaputra
Uch
Pānīpat
Delhi
Sambhal
Bīkāner
Narwaul
DOAB
Ghāghara
AYODHYA
Bhakkar
RĀJPUTĀNA
Fatehpur Sīkri
Āgra
Kannauj
ASSAM
Jaisalmer
Ajmer
Lucknow
Amber
COOCH
SINDH
Jodhpur
Gwalior
Jaunpur
Chausa
BIHĀR
MARWAR
Ranthambor
Allahābād
Ganges
Patna
Gaur
Thatta
Chitor
BUNDELKHAND
Benares
BIHĀR
Bihār
BENGAL
MEWAR
Chanderi
Kālinjar
JHARKHAND
Dacca
AHMAD SHĀHĪ
MĀLWA
Palāmau
KUTCH
Ahmadābād
GONDWĀNA
Chittagong
Navanagar
GUJARAT
Narmada
Mahānadi
Baroda
KĀTHIĀWĀR
Asīrgarh
QHĀNDESH
Burhānpur
ORISSA
Junāgadh
BERĀR
Daulatābād
NIZĀM SHĀHĪ
Ahmadnagar
DECCAN
Godāvari
Bay of Bengal
Sārtāra
Golconda
ADIL SHĀHĪ
QUTH SHĀHĪ
Bijāpur
Arabian Sea
Krishna
VIJAYANAGARA
Kāveri
Jinjī
CEYLON

जन्म: 1472 ई, होशियारपुर

फरीद नाम दिया

1497-1518 जागीरदार:
खवासपुर, टांडा, सासाराम

बहार खां लोहानी

बिहार का सूबेदार

शेर खां उपाधि

बाबर:1526-28

चँदेरी के युद्ध में भाग

बाबर- मेरा मन करता है की उसे गिरफ्तार कर लूँ। शेरशाह पर नजर रखें वह एक चतुर व्यक्ति है।

बिहार वापसी

मुहम्मद शाह की मृत्यु

जलाल खां का संरक्षक

- 1539: चौसा युद्ध
- 1540: कन्नौज युद्ध
- 10 जून, 1540: सुल्तान (68 वर्ष

भूमि की पैमाइश

- भू-राजस्व
- सिकंदरी गज:32 अंगुल
- जरीबाना मोहिसिलाना
- 1/3-1/4

बटाई प्रणाली

- गल्ला बख्श
- फसल काटने के बाद लगाने तय

कनकूत प्रणाली

- नस्क प्रणाली
- खेत में फसल देख के लगान तय करना

जब्ती प्रणाली

- पट्टा कबूलियत
- लगान निश्चित 1/3:1/4

Mega Roads

-GT Road-

Grand Trunk Road

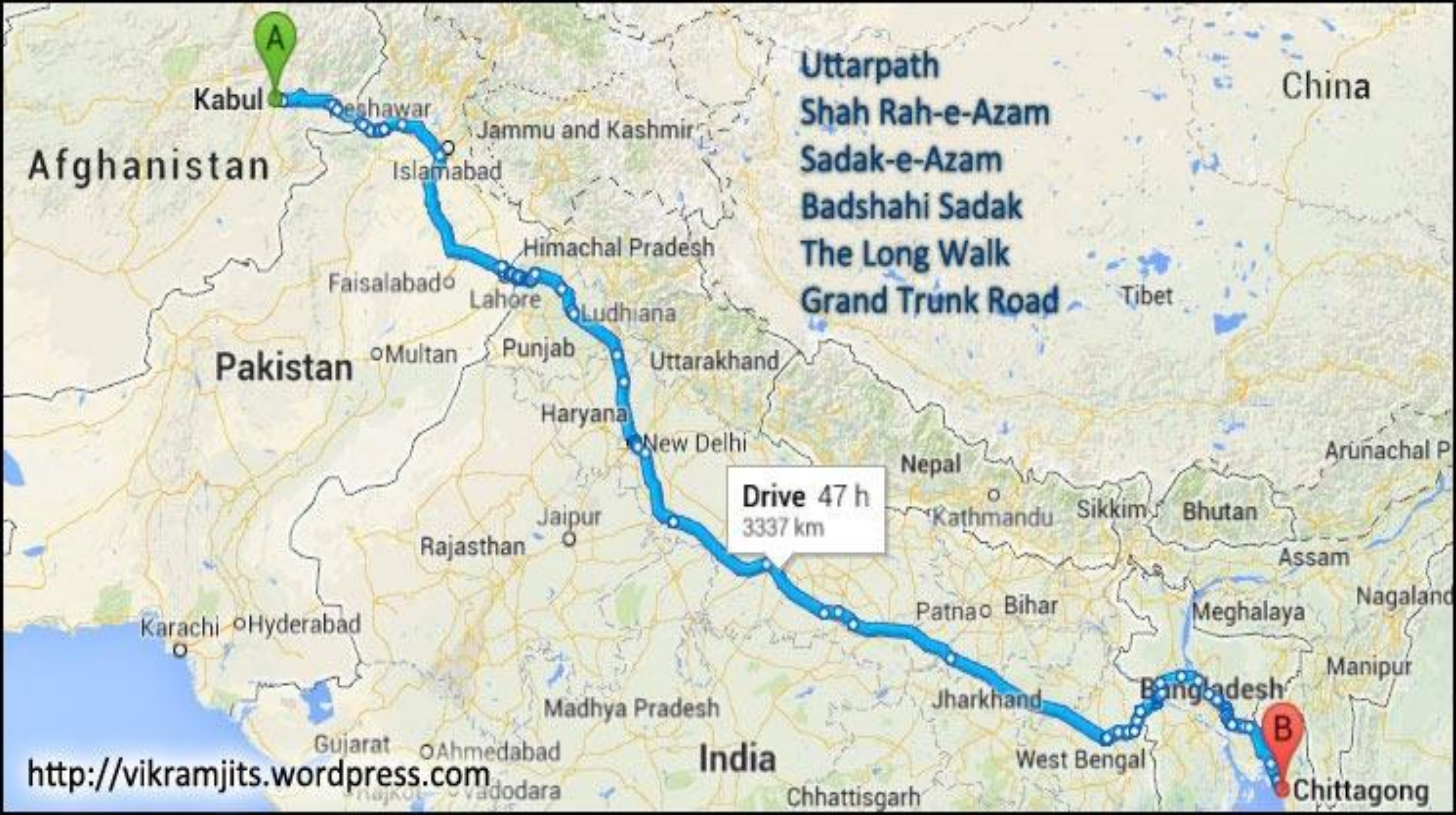
Uttarpath
Shah Rah-e-Azam
Sadak-e-Azam
Badshahi Sadak
The Long Walk
Grand Trunk Road
A
B
Kabul
Peshawar
Jammu and Kashmir
Islamabad
Afghanistan
China
Tibet
Himachal Pradesh
Faisalabad
Lahore
Ludhiana
Punjab
Pakistan
Multan
Uttarakhand
Haryana
New Delhi
Nepal
Arunachal P
Kathmandu
Sikkim
Bhutan
Drive 47 h
3337 km
Jaipur
Rajasthan
Assam
Patna
Bihar
Meghalaya
Nagaland
Karachi
Hyderabad
Manipur
Bangladesh
Jharkhand
Madhya Pradesh
Gujarat
Ahmedabad
India
West Bengal
Vadodara
Chhattisgarh
Chittagong
http://vikramjits.wordpress.com

सबसे बड़ी सड़क

सड़क-ए-आजम

1500 कि. मी.

कलकत्ता-पेशावर

आगरा-जोधपुर

आगरा-बुरहानपुर

लाहौर-मुल्तान

1700
सराय

रुपया की शुरुआत

Architecture

Sasaram Tomb

Sasaram

रोहतासगढ़ किला

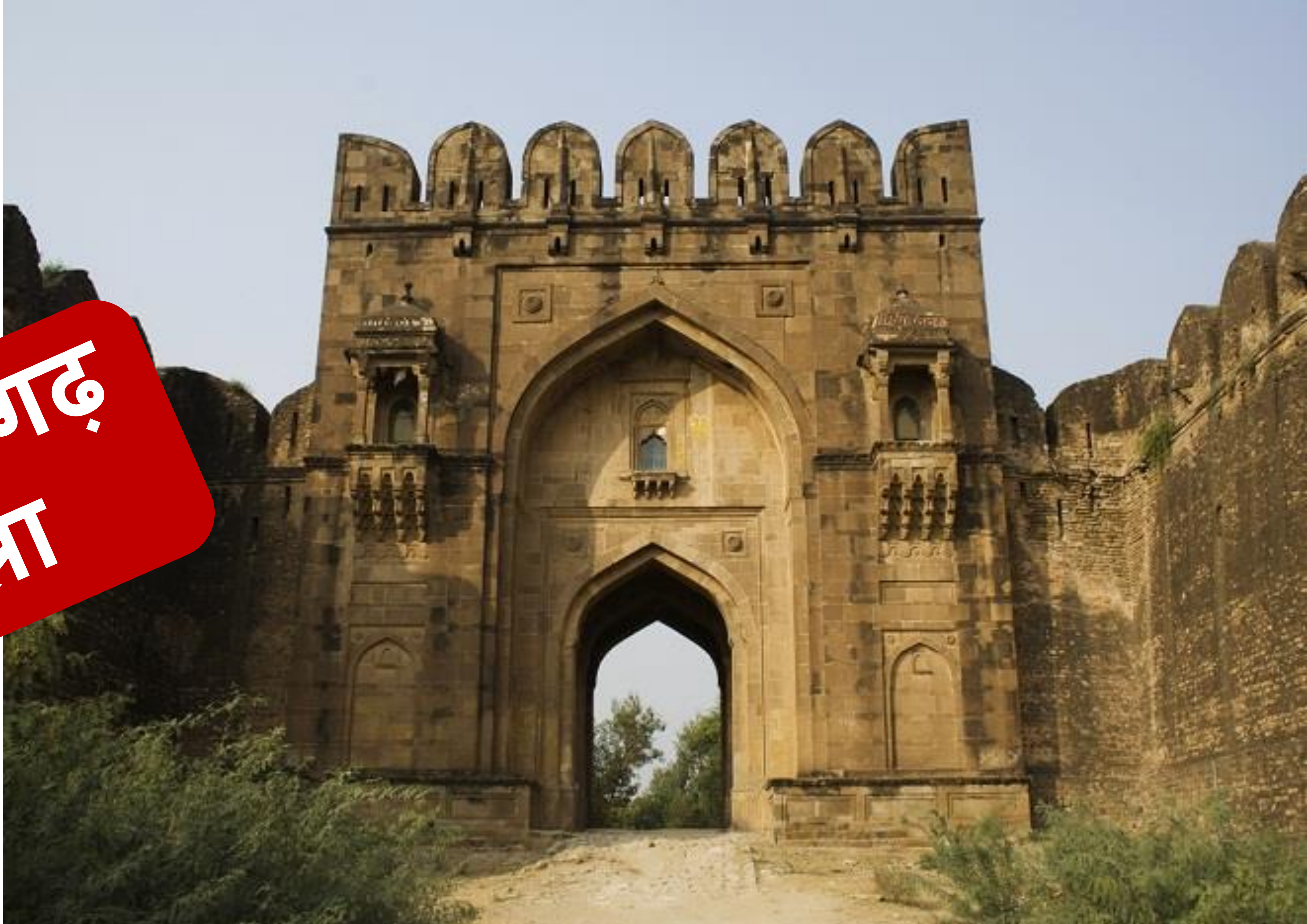

Akbar

1556-1605

15 अक्टूबर, 1542: हमीदा बानो

बद्र और जलाल

प्रसिद्ध नाम: अकबर

2nd Battle of Panipat

अकबर (पंजाब) बैरम खां सेनापति

आदिलशाह:बिहार हेमचन्द्र सूरी (हेमू) सेनापति

कारण

हुमायूँ की मृत्यु अकबर का दिल्ली में ना होना

हेमू का दिल्ली पर कब्जा
हिन्दू राज्य की स्थापना का सपना देखना

27 जनवरी, 1556
राज्यभिषेक

कालानौर,
पंजाब

अकबर: 20,000 सेना

हेमू: 1,50,000 सेना

हेमू को निशाना बनाने की नीति

हेमू पराजित

परिणाम

मुग़ल साम्राज्य की पुनः स्थापना

हेमू का हिन्दू राज्य स्थापित करने का सपना टूटना

अफगानों का पतन आदिलशाह की हार बैरम खां के प्रभाव में वृद्धि

अकबर

15 फरवरी, 1556

सुल्तान बना

विवाह

रुकेया बैगम

हिंदाल की बेटी

राजधानियाँ

लाहौर

आगरा

फतेहपुर सीकरी

1556-1560 बैरम खान का शासन

1560: अकबर बादशाह घोषित

अकबर की विजये

1564: गोंडवाना रानी दुर्गावती

1581: काबुल अभियान

1563-74" बंगाल, सूरत, गुजरात

मिर्जा हकीम

1595: बलूचिस्तान -कंधार

1595-1601: अहमदनगर

हल्दी घाटी का युद्ध:1576 ई

राणा प्रताप सिंह

मेवाड़ राजा

चित्तौड़ राजधानी

मानसिंह: अकबर का सेनापति

महाराणा प्रताप

AKBAR'S RAJPUT POLICY

वैवाहिक संबंध

आंबेर कछवाहा
राजा भारमल

हरखाबाई

मरियम
उस जमानी

उच्च पदों पर नियुक्ति

मानसिंह,
उदायसिंह,
भारमल

सेनापति
मनसबदार
मंत्री

धार्मिक स्वतंत्रता

युद्ध

मेवाड़ गोंडवाना

Religious Policy

दीन-ए-इलाही

19 लोगों द्वारा अपनाया गया

1563: तीर्थ यात्रा कर

1564: जजीया

मगहर

1582 दीन ए इलाही

इबादतखाना

अलग अलग धर्मों के लोगो से चर्चा

अकबर के नौ रत्न

अबुल-फजल

फैजी

टोडरमल

बीरबल

तानसेन

मुल्ला दो प्याजा

राजा मानसिंह

अब्दुर्रहीम खां-ए-खाना

फकीर अजियो दीन

अबुल फजल: अकबरनामा आईन ए अकबरी

टोडरमल: भू-राजस्व व्यवस्था

तानसेन:संगीत विभाग

राजा बीरबल: प्रधान

सलाहाकार, मित्र

मानसिंह: प्रमुख सेनापति

अब्दुर्रहीम खां-ए-खाना
बैरम खां का बेटा
रहीम नाम से प्रसिद्ध
रहीम के दोहे: राम-कृष्ण
भक्ति पर दोहों की रचना

कला में

योगदान

फतेहपुर सीकरी राजधानी

बुलंद दरवाजा

27 oct. 1605

मृत्यु

सिकंदरा

मूल्यांकन

मुग़ल साम्राज्य को सुदृढ़ता प्रदान करना

राजपूतों की वफादारी प्राप्त होना

धार्मिक सहनशीलता का आरंभ

मुग़ल साम्राज्य का विस्तार

फारसी:राजकीय भाषा

साहित्य रचना आरंभ

सलीम

1605-27 ई

अकबर के पुत्र: मुराद, सलीम, दानीयल

मुराद-दानीयल की मृत्यु

जन्म: 30 अगस्त, 1569

माता: मरियम उस जमानी

उच्च शिक्षित: *अरबी, फारसी, तुर्की, का ज्ञान*

चित्रकला का संरक्षक

आत्मकथा: तुज़ुक-ए-जहांगीरी

विवाह: 16 साल उम्र, भगवान दास की बेटी मानबाई

मानबाई से खुसरो का जन्म 20 से ज़्यादा विवाह

शासक बनने से पूर्व सलीम के कार्य

सलीम का विद्रोह

1577:10,000 का मनसबदार

1591: विद्रोह

स्वयं को बादशाह घोषित करना

इलाहाबाद में दरबार लगाना आरंभ

अकबर द्वारा क्षमा अबुल-फजल की हत्या करवाना

इलाहाबाद: दूसरा विद्रोह खुसरो को राजा बनाने की घोषणा

1605: अकबर बीमार अजीज कोका-मानसिंह द्वारा खुसरो को बादशाह बनाने की घोषणा

1605: अकबर की मृत्यु
सलीम शासक
24 अक्टूबर, 1605:
आगरा किले में राजीभिषेक

नुरुद्दीन मुहम्मद बादशाह गाज़ी की उपाधि धारण की

जहांगीर

प्रमुख घटनाएँ

उदारपूर्ण नीति: हिन्दू-मुस्लिम अधिकारियों को उनके पदों पर बनाए रखा खुसरो व उसके सहयोगियों को क्षमा करना

न्याय की सुनहरी जंजीर

यमुना नदी तट से राजमहल तक
60 घंटियाँ बंधी थी

जहांगीर के शाही फरमान

अनुचित करों की समाप्ति

तमगा और मीर बहरी

कल्याणकारी कार्य

सरायों, मस्जिदों, कुओं का निर्माण

उत्तराधिकार कानून: बिना संतान के मृत्यु होने पर जमीन सरकार को मिलेगी

मादक वस्तुओं पर प्रतिबंध: तंबाकू-शराब

खुसरो का विद्रोह : घुमने के बहाने सेना लेकर आगरा प्रस्थान तरनतारण: अर्जुन देव से आशीर्वाद व लाहौर पर आक्रमण

जहांगीर द्वारा सेना भेजना : खुसरो को कैद

अर्जुन देव की हत्या

खुसरो की मदद का आरोप

जहांगीर की विजय

1594: बुंदेला की विजय
वीर सिंह देव का विद्रोह
उच्च नगर पर कब्जा

12000 मुग़ल सेना द्वारा आक्रमण
वीर सिंह की हार
जहांगीरी महल का निर्माण

कूच बिहार की विजय

लक्ष्मी नारायण द्वारा हार स्वीकार करना

नजीर की उपाधि प्रदान की

1613: पुर्तगालियों पर विजय

1613 पूर्तगालियों द्वारा सूरत से चले मुग़ल जहाज रहिमी की लूट

जहाज में 1 लाख रुपये

मक्का-मदीना यात्रा पर निकले यात्री

जहांगीर द्वारा पुर्तगाली केंद्र दमन पर आक्रमण

पुर्तगालियों को मुग़ल साम्राज्य से बाहर करने का निर्णय

शर्त: सेना कम करना

हर्जाना

मेवाड़ विजय: राजपूत राज्य को मुग़ल राज्य का अंग बनाना

1620: कांगड़ा विजय

चंबा के राजा के अधीन

जहांगीर की विजय

कला

उच्च कोटी का चित्रकार
मंसूर प्रसिद्ध् चित्रकार
अकबर के मकबरे का
निर्माण: सिकंदरा

1627: कश्मीर से लाहौर आगमन में बीमार सराय, सदाबाद (बिम्बेर) में मृत्यु

शहदरा में मकबरा

खुर्रम

Born- 5 January 1592

Lahore, Pakistan

- **विवाह: कंधारी बेगम:1610**
- **आर्जूमंद बानो बेगम: 1612**
- **इज्जउस्सनिसा बेगम: 1614**

राजनैतिक पद:हिसार फिरोजा का सूबेदार 4000 का मनसब

सेना में योगदान

1614:मेवाड़ विजय

1617:अहमदनगर विजय

खुर्रम का विद्रोह
नूरजहां का प्रभाव
शहरयार

महाबत खां से समर्थन

1622:कंधार प्रकरण

1623: शाही सेना से युद्ध, बिलौचपुर

1626: जहांगीर द्वारा माफी और मनसब प्रदान करना

1627: जहांगीर की मृत्यु
नूरजहां को कैद
शहरयार का कत्ल
1628 : भारत का बादशाह
घोषित

उपाधि: अबु-उद-मुजफ्फर-शिहाब-उद-दीन-मुहम्मद शिहाब-उद-दीन कुरान-उद-थानी पादशाह

शाहजहाँ

पुत्रियाँ:-

जहानआरा बेगम

रोशनआरा बेगम

गौहरआरा बेगम

पुत्र:- दारा शिकोह

शाहशुजा

औरंगज़ेब

मुराद बख्श

FORGE
OF EMPIRES

प्रशासन: सेना में मारवाड़ी घोड़े का प्रयोग किलों में तोपखाने की स्थापना कर में वृद्धि

सैनिक कार्य

बगलाना, मेवाड़, बुंदेलखंड के विद्रोहों को समाप्त करना

16 वर्षीय औरंगज़ेब की नियुक्ति

दक्षिण नीति
अहमदनगर से लंबा संघर्ष
हुसैन शाह को
हराना:1632

दौलताबाद, महाराष्ट्र: 1632
गोलकुंडा: 1635

बीजापुर: 1636
औरंगजेब: दक्षिण का
सूबेदार

सिक्खों से संघर्ष गुरु हरगोविंद

लाहौर: सिक्ख मंदिर गिराना

1634-35: अमृतसर-करतारपुर युद्ध में मुग़ल पराजित

सफाविद वंश से युद्ध ईरान का राजघराना1622-49: कंधार क्षेत्र के लिये संघर्ष

1638: कंधार मुग़लों को प्राप्त
1649: कंधार इरानियों को प्राप्त

1631: पुर्तगालियों से युद्ध
कासिम खा का हुगली पर हमला
पुर्तगालियों पर जुर्माना

1630-32 का अकाल

गुजरात, दक्कन, खानदेश

20 लाख लोगों की मृत्यु

धार्मिक

नीति

कम धार्मिक सहिष्णु शरीयत (मुस्लिम कानून) लागू करना

1612: बंगाल में नए बने हिन्दू मंदिरों व लाहौर के सिक्ख मंदिर को गिराना

कला

शालीमार बाग-लाहौर
जामा मस्जिद, लाल किला-दिल्ली
शीश महल, नौलक्खा हाल-लाहौर

जहांगीर का मकबरा-सिकंदरा ताजमहल-आगरा

मोती मस्जिद
दीवान-ए-आम
दीवान-ए-खास

Jama Masjid

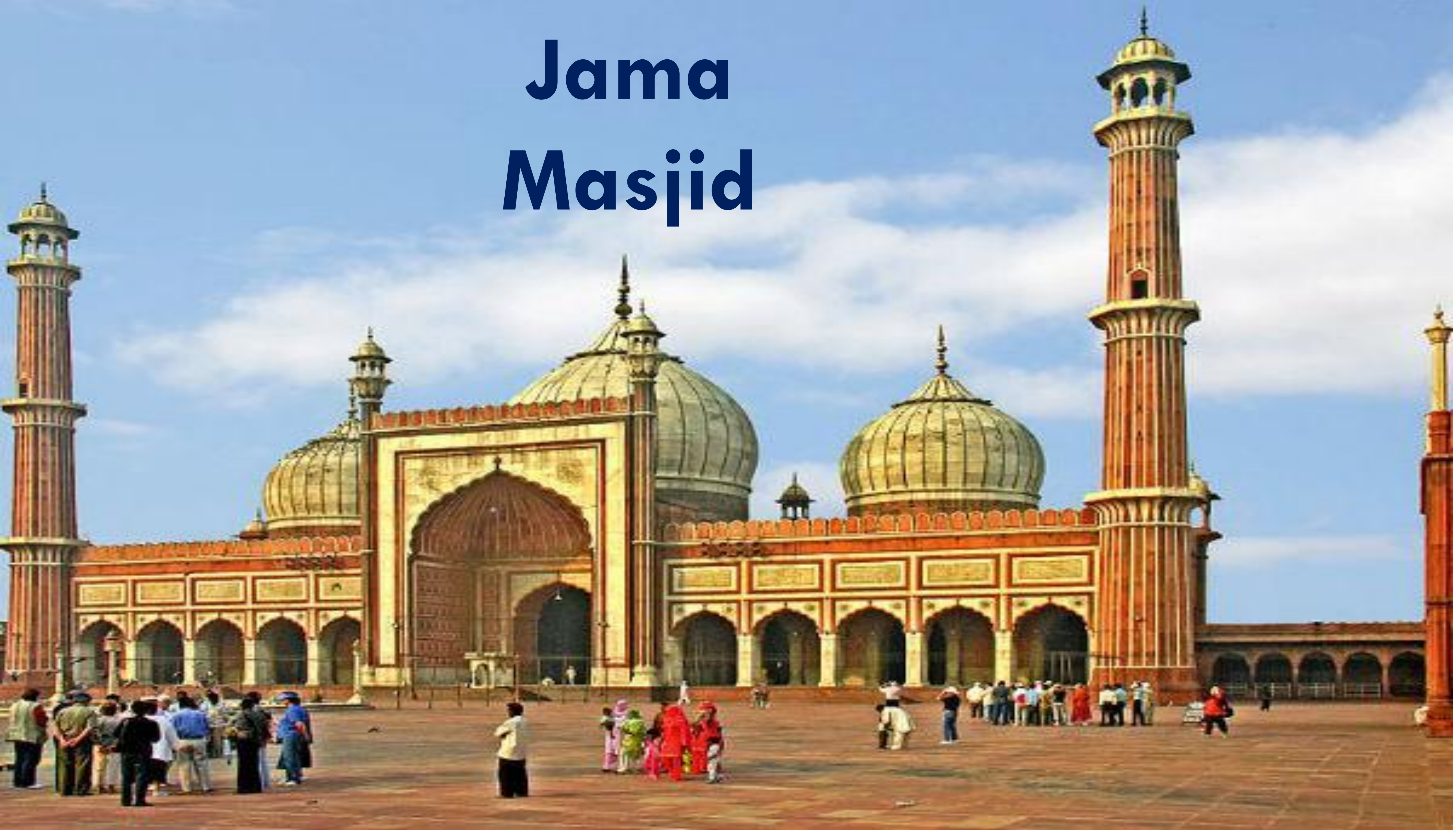

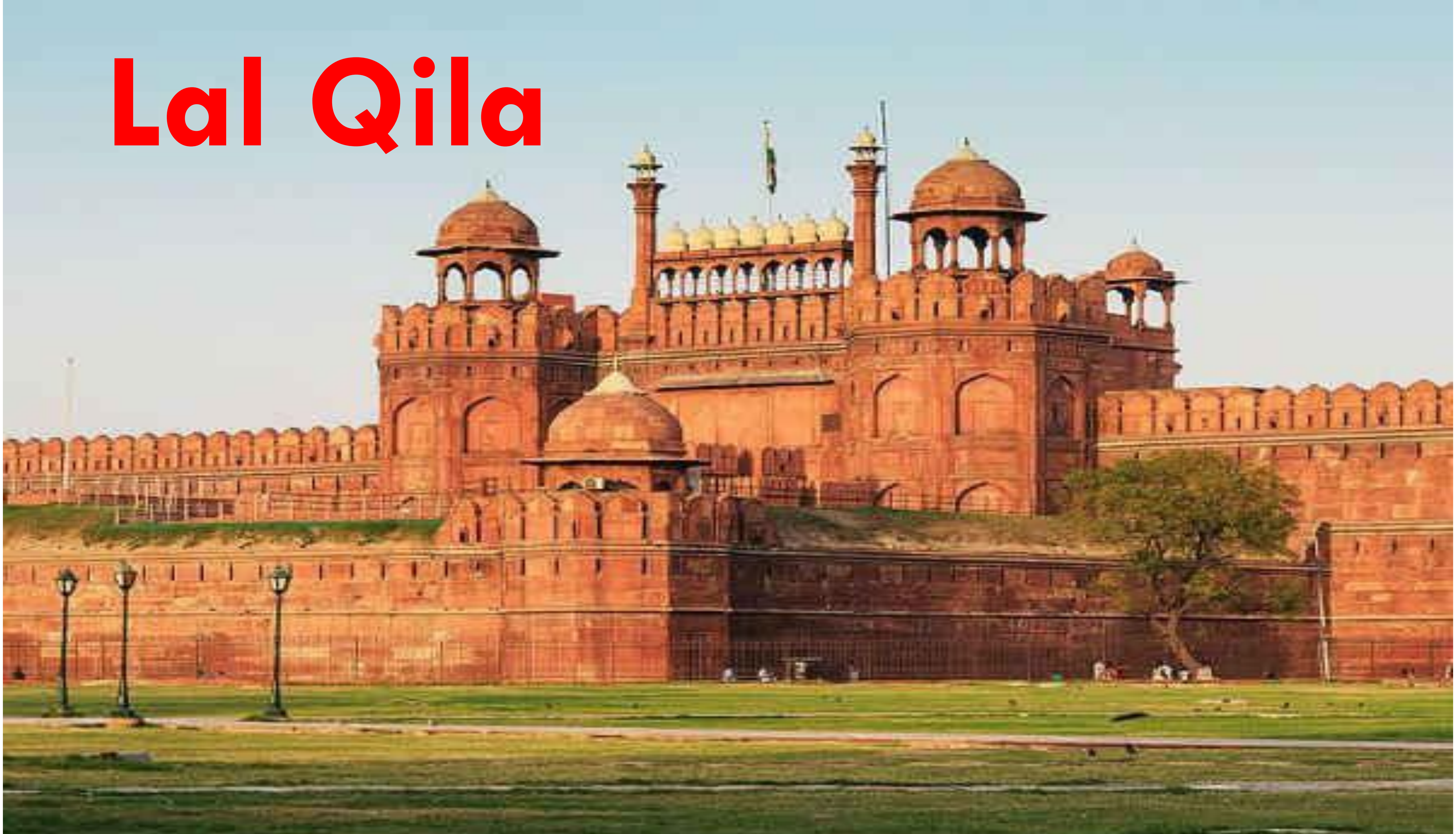
Lal Qila

दीवान-ए-आम

तख्त-ए-ताऊस

मयूर सिंहासन

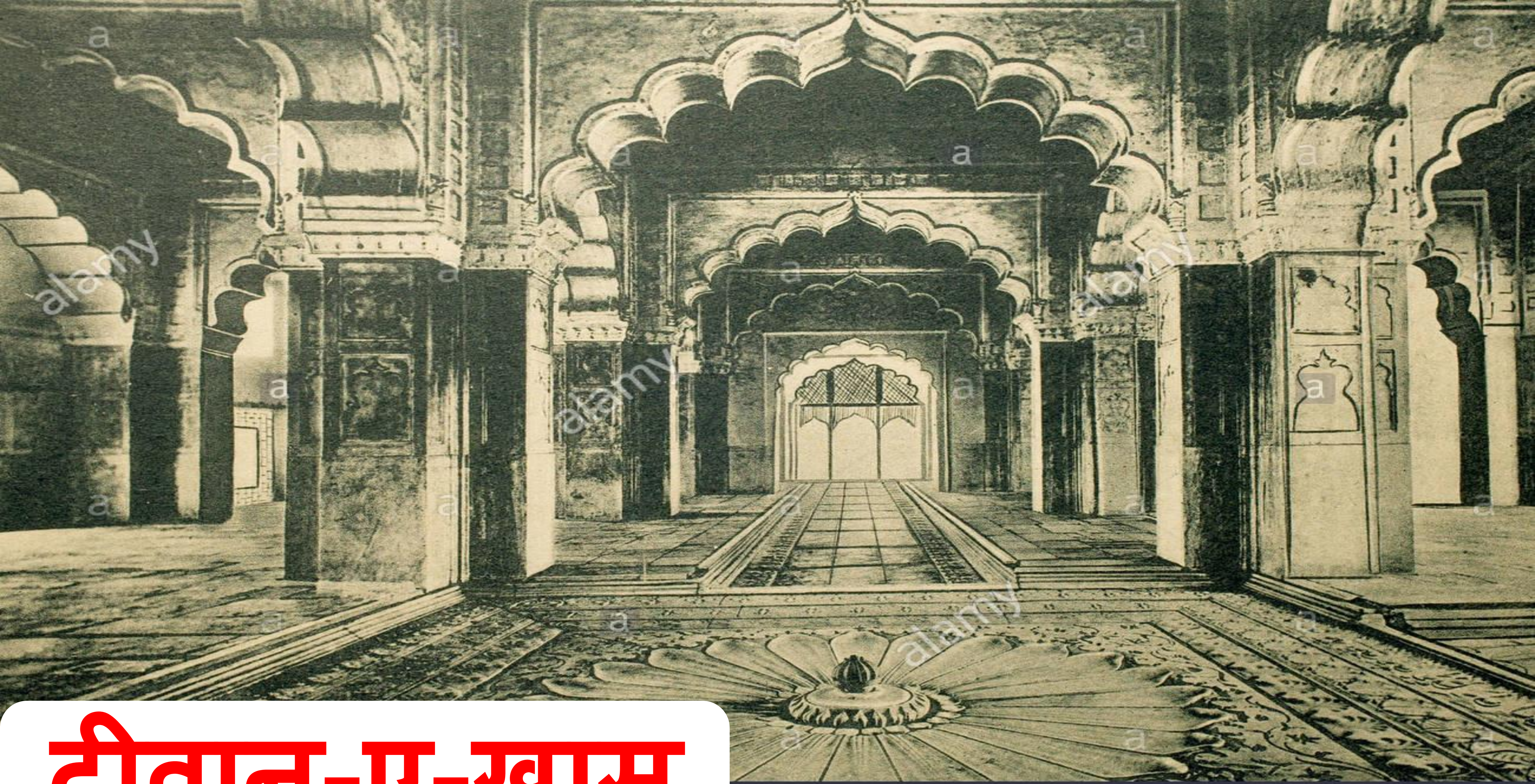

दीवान-ए-खास

AHW1BA
www.alamy.com

थट्टा की मस्जिद

ताजमहल

उत्तराधिकार के युद्ध

1658:शाहजहाँ बीमार दारा शिकोह प्रशासन प्रमुख बना

शाहशुजा-बंगाल
मुरादे-गुजरात
औरंगजेबै-दक्षिण

औरंगजेब की कूटनीति

औरंगजेब-मुराद समझौता शाहशुजा से युद्ध धरमत का युद्ध: शाही सेना व औरंगजेब की सेना के मध्य

सामुगढ़ का युद्ध: 1658
दारा को कैद-सार्वजनिक फांसी

मुराद: खाने में जहर
शाहजहाँ को कैद
22 जनवरी 1666 मृत्यु

22 जनवरी 1666 में फिर बीमार– मृत्यु

औरंगजेब उत्तराधिकार युद्ध में सफय क्यों हुआ?

औरंगजेब के गुण

कूटनीतिज्ञ-चालाक राजनीतिक मामलों की परख

विकट परिस्थितियों को संभालने योग्य

अच्छा सेनापति
16 वर्ष से युद्धों में भाग

शाहजहाँ का अप्रिय होना

इमारतें बनाने में धन की बर्बादी शाही खजाने में कमी आना

औरंगजेब का कट्टर होना

सुन्नी मुस्लिमों व आधिकारीयों, सैनिकों का समर्थन

राजपूतों का औरंगज़ेब को सहयोग

शाही सेना मे राजपूत सैनिक सबसे ज्यादा

औरंगजेब

बहाउद्दीन
मुहम्मद
औरंगज़ेब
आलमगीर

कूच बिहार क विजय
1661 प्रेम नारायण
1661: चिटगाँव
166: असम

राजपूत नीति
युद्ध नीति
कारण: कट्टर सुन्नी
मुस्लिम

मंदिर गिरना, जजीया लगाना: 1679 राजमही में राजपूतों के त्योहार मनाने पर पाबंदी

मारवाड़ से संघर्ष

मारवाड़ में संघर्ष इन्द्रसिंह को राजा बनाया

पूर्व राजा जयसिंह की दो पत्नियों और बेटे अजीत को कैद की

1679: शहज़ादा अकबर द्वारा मारवाड़ पर आक्रमण

मेवाड़ द्वारा सहायता: मुग़लों की हार

दक्षिण
नीति

बीजापुर 1679: दिलेर खां के अधीन अभियान

बीजापुर का घेरा 1686: औरंगजेब द्वारा स्वयं नेतृत्व करना

बीजापुर शासक: सिकंदर आदिल शाह की हार

1687: गोलकुंडा शासक: अबुल हसन गोलकुंडा का घेरा

सेनापति अब्दुररज्जाक: मुग़लों का सामाना औरंगजेब द्वारा कूटनीति का प्रयोग

अब्दुल पानी (पहरेदार)

औरंगजेब
और मराठे

1680:शिवाजी की मृत्यु
औरंगजेब का शंम्भाजी को
कैद करना
1689 शंम्भाजी की हत्या

मुगलों का मराठा क्षेत्रों पर अधिकार रानी ताराबाई द्वारा संघर्ष जारी

उत्तर-पश्चिमी नीति

यूसुफजईयों की विद्रोह

1667: नेता भागू कामिल खां, शमशेर खां, मुहम्मद अमीन के अँधीन सेना भेजना

20,000 यूसुफजई मारे गए विद्रोह का अंत

1672: अफ़्रीदीयों का विद्रोह

अकमल खाँ नेता मुहम्मद अमीन के अधीन सेना

21 अप्रैल, 1672: अली मस्जिद का युद्ध, मुगलों की हार

खटकों का विद्रोह

नेता:खुशहाल सिंह

मुगल सूबेदार:

महाबत खां

महाबत खां द्वारा खटकों से समझौता शुजात खां, जसवंत सिंह के अधीन सेना

3 मार्च, 1674 मुगलों की हार शुजात खां मारा गया

उत्तर-पश्चिमी सीमा नीति का प्रभाव

सैनिक हानि
10,000 मुग़ल
सैनिक मारे गए

आर्थिक हानि शाही खजाने में कमी

मराठों का उदय 1674: शिवाजी द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा

1677: मराठों द्वारा कर्नाटक विजय मुग़लों की अफ़गानों से शत्रुता आरंभ

मुग़ल प्रशासन

बादशाह

अबुल फजल, “राजत्व को फर्र-ए-इज्दी (दैवी प्रकाश)”

अकबर - सुलह-ए-कुल

औरंगजेब

दर-उल-हर्ब (मूर्ति पूजक का देश) को दर-उल-इस्लाम (इस्लाम का देश) बनाना

मंत्रीमण्डल

वकील: प्रधानमंत्री

मीर बख्शी: युद्ध मंत्री

मुख्य काजी:न्याय विभाग

सद्र-उस-सूदूर- धार्मिक मामलों का मंत्री

दीवान-ए-समा- राजकीय कारखनों का मंत्री

मोहतसिब- जनता के नैतिक आचरण की जांच करने वाला मंत्री

मीर आतिश: राजकीय तोपखाना

प्रांतीय प्रशासन: सूबा
अकबर, 1580: 12 सूबे में विभाजन

आगरा, दिल्ली, लाहौर,
इलाहाबाद, अजमेर,
बंगाल, बिहार, काबुल,
अवध, मालवा,
अहमदाबाद, मुल्तान

1605: 15 सूबे

बरार, खानदेश, अहमदनगर नए सूबे

औरंगजेब: 21 सूबे

राजपूताना के क्षेत्र शामिल

सरकार:

फौजदार -शांति व्यवस्था

अमालगुजार- भू-राजस्व

खजानदार

बितिक्ची लेखक

परगना

शिकदार -शांति व्यवस्था

आमिल -भू-राजस्व प्रशासन

पोतदार -खजांची

कानूनगो -कृष्य भूमि का पर्यवेक्षक

गाँव: ग्राम

खुत-मुकद्दम: आय का ब्योरा रखने वाले अधिकारी

पटवारी:लेखा-जोखा रखना

नगर प्रशासन:कोतवाल

मनसबदारी
जागीरदारी
मुग़ल सेना
मुग़ल कर व्यवस्था

मनसबदारी व्यवस्था

मनसब **फारसी** शब्द

अर्थ-“ प्रतिष्ठा का स्तर पद”

अकबर शासन के 19वें वर्ष, 1575 ई. में प्रारंभ मंगोलो की "दशमलव प्रणाली" व "सैनिक व्यवस्था" से प्रभावित

<u>कारण:</u>

शासन में स्थाईपन लाना
राजपूतों का सहयोग
शक्तिशाली सेना का
निर्माण

अमीर वर्ग, सेना, प्रशासनिक अधिकारियों का एकीकरण करना

प्रत्येक मनसबदार का रैंक दो अंकों में व्यक्त

जात: किसी भी अधिकारी की श्रेणी, अधिकारियों के बीच उसका स्थान और उसका वेतन

सवाल: अधिकारी के अंतर्गत कितनी सेना रखी गयी है

जहांगीर: दो अस्पा - सी अस्पा

जात रैंक में वृद्धि किए बिना सवारों की संख्या बढ़ाना

5000 से ऊपर की मनसब सिर्फ राजकुमारों को मीर बख्शी की सलाह से नियुक्ति

शर्तें: मनसबदार जमीन बेच नहीं सकता

मनसबदार की मृत्यु के बाद जमीन राजा को वापिस मिलेगी मनसबदार को पद से हटाया जा सकता था

राजपूतों को मनसब औरंगजेब: सबसे ज्यादा राजपूत मनसबदार

—जागीर—

नगद वेतन के
बदले में भूमि देना

जागीरदार केवल भूराजस्व से संबंध रखते थे

उतनी ही जागीर जितना उनका वेतन

भूमि को खरीद व

बेच सकते थे

जगीर

के प्रकार

जागीर-ए-तनख्वाह वेतन के रूप में

मसरूत- सशर्त जागीर।

इनाम जागीर- विशेष सेवा के बदले

वतन जागीर- राजपूतों को

—सेना—

आय का सबसे ज्यादा

खर्च सेना पर

78—80 प्रतिशत

सेना में अरब व मंगोलिया से घोड़े आयात

तोपखाना प्रमुख भाग

मनसबदारी प्रमुख भाग

मंगोलों की तरह गठन

1.हाथी सेना 2. घुड़सेना

3.पैदल सेना 4.जल सेना

5. तीरंदाजी 6. तोपखाना :मीर ए आतिशः

कर व्यवस्था

<u>ख़राज़</u>

1 / 4, 1 / 6

भूमि के अनुसार

औरंगजेब द्वारा

जज़िया लागू